MGPS

गाँधी और शांति अध्ययन
में
स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
(माड्यूलर कार्यक्रम)

सत्रीय कार्य
वर्ष 2021–2022 के लिए

गाँधी और शांति अध्ययन में कला स्नातकोत्तर उपाधि
(एमएजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पीजीडीजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र
(पीजीसीजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

प्रिय विद्यार्थियों,

जैसा कि हमने गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (माड्यूलर कार्यक्रम) कीकार्यक्रम दर्शिका में बताया है कि प्रत्यके पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीयकार्य (टी.एम.ए.) करना होगा। इस पुस्तिका में **गाँधी और शांति अध्ययन में कला स्नातकोत्तर उपाधि (एमएजीपीएस); गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीजीपीएस) और गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पीजीसीजीपीएस)** के सत्रीय कार्य हैं। यह गाँधी आरै शांति अध्ययन के माड्यूलर कार्यक्रम के पाठ्यक्रम हैं।

आपको सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके एक निश्चित समयावधि के बीच जमा करना है जोआपके कार्यक्रम का एक हिस्सा है और यह आपको कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने के योग्यबनाते हैं जिनमें आपका पंजीकरण हुआ है। सत्रीय कार्यों को करने से पहले, कृपया कार्यक्रमदर्शिका में दिए गए सभी निर्देशों को ध्यानपूवर्क पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपनेही शब्दों में लिखें। आपके उत्तर भाग–विशेष के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होनेचाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधारहोगा और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सभी सत्रीय कार्यों को आप अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभालकर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकित करने के पश्चात् अध्ययन केन्द्र आपको इन्हें वापस कर देगा। कृ पयाइस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एसईडी), इंदिरागाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होगा।

प्रस्तुतीकरणः आपको सत्रांत परीक्षा देने की पात्रता प्राप्त करने के लिए निर्धारित समय–सीमाके भीतर सभी सत्रीय कार्यों को अवश्य जमा करना होगा। पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों कोनिम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार जमा कराएँः

समय सारणी

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई 2021 सत्र के लिए	31 मार्च 2022	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें
जनवरी 2022 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2022	

शुभकामनाओं के साथ,

सत्रीय कार्य करने के लिए मार्ग निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य के प्रत्येक श्रेणी के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसारअपने प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखितबातों को ध्यान में रखें, यह आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगीः

1) **योजनाः** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं,उनका ध्यान से अध्ययन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारे में महत्त्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठनः** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले थोड़ा चयनशील बनें और विश्लेषणकरने का प्रयास करें। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष लिखने पर समुचित ध्यान दें:

   यह सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तरः

   क) तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही–सही उत्तर लिखें।

3) **प्रस्तुतिकरणः** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ, तो जमा कराने के लिए सत्रीयकार्यों के प्रश्नों के उत्तरों की स्वच्छ प्रति तैयार करें। उत्तर साफ–साफ हस्तलिपि में लिखेंऔर जिन बिन्दुओं पर ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें।

शुभकामनाओं के साथ!

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

पाठ्यक्रमः गाँधी : व्यक्ति और उनका काल (एम.जी.पी.–001)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–001
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–001/ए एस एस टी/टी एम ए/2021–22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. राष्ट्रवाद और अंतर्राष्ट्रीयवाद पर गांधी के विचार क्या हैं? वे दोनों में कैसे सामंजस्य स्थापित करते हैं ?

2. 'द किंगडम ऑफ गॉड इज वीथिन यू' में लियो टॉल्स्टॉय के प्रमुख तर्क क्या हैं? क्या इसने गांधी के विचार को आकर प्रदान किया, वर्णन करें।

3. नस्लीय भेदभाव के खिलाफ और भारतीय श्रमिकों के अधिकार दिलाने के लिए गांधी की लड़ाई पर चर्चा करें।

4. गांधी के सत्याग्रह के अर्थ का परीक्षण खेड़ा के उदाहरण के साथ करें।

5. असहयोग आंदोलनों की प्रमुख उपलब्धियां क्या थीं? विस्तारपूर्वक समझायें।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) दांडी मार्च
   ख) गांधी–इरविन समझौता

7. क) पूना पैक्ट
   ख) सविनय अवज्ञा आंदोलन

8. क) खादी और इसकी प्रासंगिकता
   ख) रचनात्मक कार्यक्रम

9. क) भारत छोड़ो आंदोलन
   ख) मुस्लिम लीग द्वारा विभाजन की मांग

10. क) गांधी और विभाजन
    ख) कैबिनेट मिशन योजना

पाठ्यक्रमः गाँधी दर्शन (एम.जी.पी.–002)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–002
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–002/ए एस एस टी/टी एम ए/2021–22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. गाँधी पर जैन दर्शन के प्रभाव की चर्चा कीजिए।
2. गाँधी ने सुकरात को महान सत्याग्रही क्यों कहा? पुष्टि कीजिए।
3. गाँधी के अनाशक्ति योग का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
4. मानव प्रकृति की अवधारणा के गांधीवादी दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए।
5. गाँधी के अहिंसा के विचार के बौद्धिक और ऐतिहासिक संदर्भ का संक्षेप में वर्णन करें।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) गांधी द्वारा गीता की व्याख्या
   ख) धर्म को समझने की गांधी की अवधारणा

7. क) आधुनिक सभ्यता के खिलाफ गांधी के तर्क
   ख) सर्वोदय

8. क) गांधी के कर्तव्यों की अवधारणा और अधिकारों के साथ उनका संबंध
   ख) गांधी का सत्य ही ईश्वर है का सूत्रीकरण

9. क) स्वदेशी
   ख) न्यासिता (ट्रस्टीशिप)

10. क) स्वराज के प्रति गाँधी के विचार
    ख) स्वराज के आर्थिक आधार

पाठ्यक्रमः गाँधी के सामाजिक विचार (एम.जी.पी.–003)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–003
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–003/ए एस एस टी/टी एम ए/2021–22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. भारतीय सामाजिक व्यवस्था की गांधीवादी आलोचना का परीक्षण कीजिए।

2. वर्णाश्रम धर्म पर गांधी के विचारों का परीक्षण कीजिए।

3. आधुनिकता की गांधीवादी आलोचना की व्याख्या करें।

4. हिंदू–मुस्लिम एकता प्राप्त करने के लिए गांधी द्वारा क्या प्रयास किए गए थे? प्रकाश डालें।

5. ब्रिटिश भारत में सांप्रदायिक संघर्ष के गांधी के विश्लेषण का समालोचनात्मक परीक्षण करें।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) बौद्ध धर्म पर गांधी के विचार
   ख) इस्लाम पर गांधी के विचार

7. क) महिलाओं पर गांधी का विचार
   ख) गांधी की अहिंसा की अवधारणा

8. क) दलित वर्गों पर गांधी के विचार
   ख) शिक्षा पर गांधी के विचार

9. क) बाल विवाह पर गांधी के विचार
   ख) युवाओं पर गांधी के विचार

10. क) गांधी और शाकाहार
    ख) शराबबंदी पर गांधी का दृष्टिकोण

पाठ्यक्रमः गाँधी के राजनीतिक विचार (एम.जी.पी.–004)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–004
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–004/ए एस एस टी/टी एम ए/2021–22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. गांधी ने सत्य के सर्वोच्च मूल्यों में शक्ति और अधिकार की आवश्यकता पर जोर क्यों दिया?

2. राज्य और व्यक्ति पर गांधी और थोरो (Thoreau) की विचार के बीच समानता बतायें ।

3. गांधी राजनीतिक जीवन और राजनीतिक संस्थाओं को आध्यात्मिक बनाने की आवश्यकता पर जोर क्यों देते हैं?

4. समाजवाद की योजना में सामाजिक परिवर्तन और सत्ता के पुनर्वितरण की अवधारणाओं का परीक्षण करें।

5. क्या आपको लगता है कि विश्व शांति के लिए एक निष्पक्ष विश्व पुलिस प्रभावी हो सकती है? स्पष्ट करें।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) सर्वव्यापक मूल्य के रूप में समानता
   ख) औद्योगीकरण की गांधीवादी आलोचना

7. क) फासीवाद
   ख) गांधीवादी शांतिवाद में सत्याग्रह की भूमिका

8. क) साम्राज्यवाद पर गांधी के विचार
   ख) सर्वहारा वर्ग की तानाशाही

9. क) संरचनात्मक हिंसा
   ख) संविधानवाद पर गांधी का विचार

10. क) अराजकतावादी समाज
    ख) साध्य और साधन की शुद्धता

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का परिचय (एम.जी.पी.–005)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–005
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–005/ए एस एस टी/टी एम ए/2021–22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. संघर्षों के अध्ययन से सम्बंधित विभिन्न विषय/उप–विषय कौन से हैं? उदाहरण के साथ वर्णन करें।

2. अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में संघर्षों के समाधान का कौन सा दृष्टिकोण आपको पसंद है और क्यों?

3. सामाजिक अन्याय क्या है? सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य में इसका विश्लेषण करें?

4. मानव विकास, सामाजिक समानता और शसक्तीकरण के बीच सह–संबंधों का परीक्षण कीजिए।

5. कितने प्रकार के संघर्षों की पहचान की जा सकती है? प्रमुख समाजशास्त्रियों, राजनीति विज्ञान और शांति और संघर्ष अध्ययन के विशेषज्ञों का हवाला देते हुए प्रश्न का उत्तर दें।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) संघर्ष के स्रोत
   ख) सापेक्ष अभाव सिद्धांत

7. क) एडवर्ड अजार का दीर्घ सामाजिक संघर्ष का सिद्धांत
   ख) व्यापार प्रतिरोध (एम्बार्गो)

8. क) सत्याग्रह के लिए शर्तें
   ख) अतिवैश्वीकरण

9. क) संघर्ष समाधान के बलात्मक पद्धति
   ख) गांधी और शांति शिक्षा

10. क) शांति की संस्कृति के स्तंभ
    ख) संघर्ष और इसके समाधान के पश्चिमी एवं पूर्वी दृष्टिकोण

पाठ्यक्रमः गाँधी आर्थिक विचार (एम.जी.पी.ई.–006)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–006
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–006/ए एस एस टी/टी एम ए/2021–22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. 'विकास के आधुनिक प्रतिमान को गांधी के विकास के विचार के पक्ष में छोड़ देना चाहिए।' विश्लेषण कीजिये।

2. जे. सी. कुमारप्पा के आर्थिक दर्शन और विचारों की चर्चा कीजिए।

3. औद्योगीकरण के गांधीवादी मॉडल का वर्णन करें और समकालीन वैश्वीकृत दुनिया में इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालें।

4. गांधी द्वारा प्रतिपादित 'न्यासिता का सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।

5. अर्थशास्त्र के लिए जे. के. मेहता के दार्शनिक दृष्टिकोण का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) ई .एफ. शूमाकर (1911–1977)
   ख) श्रीमन नारायण (1912–1973)

7. क) भारत में विकेन्द्रीकृत अर्थव्यवस्था की प्रकृति
   ख) भारत में ग्रामीण ऋणग्रस्तता और ऋण बाजार

8. क) जे सी कुमारप्पा का अर्थशास्त्र के लिए दार्शनिक दृष्टिकोण
   ख) अंत्योदय

9. क) 'रोटी के लिए श्रम' की अवधारणा
   ख) खादी का अर्थशास्त्र

10. क) हिंद स्वराज
    ख) अपरिग्रह का सिद्धांत

पाठ्यक्रमः गाँधी के बाद अहिंसात्मक आंदोलन (एम.जी.पी.ई.–007)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–007
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–007/ए एस एस टी/टी एम ए/2021–22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. गांधी के बाद अहिंसक आंदोलनों के परिणामों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

2. आज मानव जाति को प्रभावित करने वाले विभिन्न पारिस्थितिक मुद्दे क्या हैं? भारत में पारिस्थितिकी के संरक्षण के लिए चल रहे आंदोलनों के उदाहरण के साथ वर्णन कीजिये।

3. सैद्धांतिक और सामरिक अहिंसक आंदोलनों के बीच अंतर स्पष्टकरें।

4. समकालीन भारत में शराब नीति और सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों की प्रमुख चिंताओं को रेखांकित करें।

5. 'भूदान आंदोलन अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में विफल रहा', क्या आप सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में तर्क दीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) किसान आंदोलन की विचारधारा
   ख) महिला और नागरिक अधिकार आंदोलन

7. क) ग्रीन गांधी
   ख) पारिस्थितिकी–नारीवादी आंदोलन

8. क) 21वीं शताब्दी में ग्रीन पीस आंदोलन (Green Peace Movement)
   ख) साइलेंट वैली आंदोलन

9. क) पोलैंड में एकजुटता आंदोलन
   ख) मरुस्थलीकरण

10. क) भारत में राष्ट्रीय जल नीति
    ख) सम्पूर्ण क्रांति

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का गाँधीवादी दृष्टिकोण (एम.जी.पी.ई.–008)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–008
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–008/ए एस एस टी/टी एम ए/2021–22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. 'सत्याग्रह संघर्ष समाधान का एक व्यवहार्य, स्वायत्तता–उत्पादक तरीका है' (वेबर), इस कथन से आप क्या सहमत हैं? अपने विचार के पक्ष में तर्क दें।
2. प्रत्यक्ष और संरचनात्मक हिंसा के बीच अंतर स्पष्ट करें।
3. संघर्ष समाधान के लिए कुछ पश्चिमी दृष्टिकोणों पर संक्षेप में चर्चा करें।
4. संघर्ष को पारिभाषित करें।हिंसा, संघर्ष और संघर्ष समाधान पर गांधी के दृष्टिकोण पर चर्चा करें।
5. नोआखाली के संदर्भ में गांधी के निर्भयता और साहस के विचारों का समालोचनात्मक विश्लेषण करें।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) सामंजस्य की अवधारणा
   ख) श्रीलंकाई नृजातीय संघर्ष में भारत की भागीदारी

7. क) शांति के लिए नारीवादी दृष्टिकोण
   ख) पेट्रा केली और जर्मन ग्रीन्स

8. क) आत्म शुद्धि के लिए उपवास पर गांधी का आग्रह
   ख) संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा गांधीवादी सिद्धांतों की मान्यता

9. क) सत्याग्रह का सिद्धांत
   ख) संघर्ष परिवर्तन

10. क) संघर्ष के स्रोत के रूप में गलत संचार की भूमिका
    ख) म्यांमार में संघर्ष समाधान में गांधीवाद की प्रासंगिकता

पाठ्यक्रमः इक्कीसवीं सदी में गाँधी (एम.जी.पी.ई.–009)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–009
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–009/ए एस एस टी/टी एम ए/2021–22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू के भारत के लिए विज़न में अंतर स्पस्ट कीजिए।

2. भारत में लोकतांत्रिक शासन की विशेषताएं क्या हैं और यह कितना सफल साबित हुआ है?

3. भारत में शांति आंदोलनों में नेतृत्व की भूमिका की चर्चा कीजिए।

4. अहिंसक संघर्षों के चार–स्तरीय रणनीतिक प्रबंधन से आप क्या समझते हैं? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिय।

5. रंगभेद–नीति को परिभाषित कीजिए। रंगभेद–नीति पर आधारित शासन को समाप्त करने में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका का परीक्षण कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) सोवियत सागक का विघटन
   ख) पोलैंड में एकजुटता सॉलिडेरिटी आंदोलन

7. क) अमेरिका में महिला और नागरिक अधिकार आंदोलन
   ख) ग्राम पुनर्निर्माण

8. क) लोकतांत्रिक समावेशन
   ख) पोलैंड में साम्यवाद का पतन

9. क) विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर गांधी का दृष्टिकोण
   ख) लैंगिक न्याय पर गांधी के विचार

10. क) एक पत्रकार के रूप में गांधी
    ख) गांधी द्वारा प्रतिपादित इच्छा की परिसीमा

पाठ्यक्रमः संघर्ष प्रबन्धन, परिवर्तन और शांति निर्माण (एम.जी.पी.ई.–010)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–010
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–010/ए एस एस टी/टी एम ए/2021–22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. संघर्ष पर विभिन्न सैद्धांतिक तर्कों और शांति के अध्ययन पर उनके प्रभाव का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

2. एक उदाहरण के साथ संघर्ष के बाद के पुनर्निर्माण और पुनर्वास में कार्यकर्ताओं और साझेदारों की भूमिका की जांच करें।

3. जीन शार्प के संघर्ष परिवर्तन के सिद्धांत का परीक्षण कीजिए।

4. संघर्ष प्रबंधन क्या है? संघर्ष प्रबंधन के विभिन्न मॉडलों पर समकालीन बहस का परीक्षण करें।

5. शांति निर्माण क्या है? शांति निर्माण के लिए मुख्य चुनौतियाँ क्या हैं?

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) संघर्ष प्रबंधन में दोनों पक्षों के जीत की स्थिति
   ख) मध्य एशिया में आतंकवाद के मुख्य कारण

7. क) संघर्ष मूल्यांकन की परिसीमा
   ख) न्यास (Trusteeship) की अवधारणा

8. क) संघर्ष प्रबंधन के लिए दृष्टिकोण
   ख) आधुनिक सभ्यता का गांधीवादी विकल्प

9. क) गांधी के नेतृत्व में सविनय अवज्ञा आंदोलन
   ख) श्रीलंका में शांति निर्माण

10. (क) संघर्ष परिवर्तन के लिए अहिंसक दृष्टिकोण
    (ख) संघर्ष–पश्चातवियतनामके पुनर्निर्माण और पुनर्वास मेंप्रयासोंगैर–सरकारी संस्थान की भूमिका

पाठ्यक्रमः मानव सुरक्षा (एम.जी.पी.ई.–011)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–011
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–011/ए एस एस टी/टी एम ए/2021–22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. मानव सुरक्षा, मानव विकास और मानव अधिकारों के बीच अन्योन्याश्रय समबन्ध की चर्चा कीजिए।

2. खाद्य सुरक्षा, गरीबी और भूख के विभिन्न पहलुओं का परीक्षण कीजिए। क्या वे एक दूसरे को प्रभावित करते हैं, स्पष्ट कीजिये।

3. मानव सुरक्षा की अवधारणा की उत्पति, विकास और अर्थ का पता लगाएं और समाज के वंचित वर्गों के कल्याण के लिए इसके महत्व को उजागर करें।

4. ग्रामीण असंगठित श्रम की विभिन्न विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। उन्हें सशक्त बनाने के लिए कुछ उपाय सुझाइए।

5. गैल्टंग के संरचनात्मक हिंसा की अवधारणा का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) मानव विकास और मानव सुरक्षा की अवधारणा में डॉ. महबूब–उल–हक का योगदान
   ख) मानव सुरक्षा और शांति निर्माण

7. क) मानव सुरक्षा के बारे में गांधी का दृष्टिकोण
   ख) अफगानिस्तान में मानव सुरक्षा

8. क) स्वास्थ्य सुरक्षा
   ख) पर्यावरण सुरक्षा के खतरे

9. क) लिंग, विकास और मानव सुरक्षा के बीच संबंध
   ख) मध्य एशिया के देशों में हिंसा और संघर्ष

10. क) वैश्विक शांति के लिए गांधीवादी विचारों की व्यवहारिकता
    ख) मानवीयसंकट (Humanitarian Crisis)

पाठ्यक्रमः महिलाएँ और शांति (एम.जी.पी.ई.–012)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–012
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–012/ए एस एस टी/टी एम ए/2021–22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. शांति निर्माण में महिलाओं की भूमिका का परीक्षण कीजिए।

2. हिंदू धर्म और इस्लाम में महिलाओं की भूमिका का तुलनातमक अध्ययन कीजिए।

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक को लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए।

   (क) घरेलू हिंसा
   (ख) भारत में महिलाएं और आर्थिक भागीदारी

4. क्या आपको लगता है कि जातीय हिंसा महिलाओं को प्रभावित करती है? उदाहरण सहित समझायें।

5. अपने परिवेश में संरचनात्मक लिंग–आधारित हिंसा के विभिन्न रूपों की पहचान करें।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) दलित महिलाओं के लिए दोहरा अभाव
   ख) सांस्कृतिक विरासत को बनाए रखने में महिलाओं की भूमिका

7. क) नृजातीय हिंसा
   ख) स्वतंत्रता के बाद के भारत में महिला सशक्तिकरण

8. क) शांति वार्ता में महिला प्रतिनिधियों को शामिल करने के लाभ
   ख) पारिस्थितिकी–नारीवाद

9. क) हरित पट्टी आंदोलन
   ख) अधिशेष मूल्य का सिद्धांत

10. क) कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न।
    ख) वैदिक काल में महिलाओं की स्थिति

पाठ्यक्रमः नागरिक समाज, राजनीति शासन और संघर्ष (एम.जी.पी.ई.–013)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–013
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–013/ए एस एस टी/टी एम ए/2021–22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. विभिन्न प्रकार के राजनीतिक शासन क्या हैं? उनकी विस्तार से वर्णन करें।
2. पूर्व, आधुनिक और उत्तर–आधुनिक ऐतिहासिक संदर्भ में नागरिक समाज की अवधारणा कैसे विकसित हुई?
3. बांग्लादेश में ग्रामीण बैंक गरीबी और भूख मिटाने की दिशा में कैसे काम करता है?
4. शांति आंदोलनों से आप क्या समझते हैं? शांति आंदोलनों के प्रकारों का विश्लेषण करें।
5. महिला सशक्तिकरण और क्षमता निर्माण कैसे प्राप्त किया जा सकता है?

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) दलितों के सशक्तिकरण पर गांधी के विचार
   ख) शांति की संस्कृति
7. क) वैश्विक शांति आंदोलन
   ख) सेंटर फॉर ह्यूमैनिटेरियन डायलॉग
8. क) डिजिटल विभाजन
   ख) गांधी का रचनात्मक कार्यक्रम
9. क) ग्रीनपीस
   ख) आतंकवाद पर युद्ध
10. क) टोक्विल की नागरिक समाज की अवधारणा
    ख) इंग्लैंड का बिल ऑफ राइट (1689)

पाठ्यक्रमः गाँधी : पारिस्थिकी और सतत् विकास (एम.जी.पी.ई.–014)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–014
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–014/ए एस एस टी/टी एम ए/2021–22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. गांधी के विचार डार्विनवाद और मानव–केंद्रितवाद से किस प्रकार भिन्न हैं?

2. हमारे आधुनिक जीवन जीने शैली में क्या कमियाँ हैं? विकास के प्रति गांधीवादी दृष्टिकोण से इन्हें कैसे दूर किया जा सकता है?

3. पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन पर प्रमुख अंतरराष्ट्रीय समझौतों में विकास की आलोचनाओं और प्रति–आलोचनाओं का अध्ययन करें।

4. 'प्रकृति की पूजा शांति प्राप्त करने के समान है।' कथन की पुष्टि अपने शब्दों में कीजिए।

5. औद्योगिक युग के विश्व दृष्टिकोण की तुलना नए उभरते वैकल्पिक विश्व दृष्टिकोण से करें।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) गहन पारिस्थितिकी के सिद्धांत
   ख) विकास की सीमाएं

7. क) दार्शनिक अराजकतावाद
   ख) पारिस्थितिक संतुलन

8. क) वर्ग संघर्ष के मार्क्सवादी सिद्धांत का खंडन
   ख) महिलाओं का अवैध व्यापार

9. क) सेवाग्राम आश्रम
   ख) बायोनॉमिक्स

10. क) ग्राम स्वराज में खादी का योगदान
    ख) गैर–शोषक अर्थव्यवस्था की स्थापना

पाठ्यक्रमः अनुसंधान विधियों का परिचय (एम.जी.पी.ई.–015)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–015
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–015/ए एस एस टी/टी एम ए/2021–22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

1. सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की प्राकृतिक विज्ञान के साथ तुलना और तुलना करें।

2. एक सामाजिक वैज्ञानिक के रूप में, गांधीजी ने किन प्रमुख मुद्दों पर प्रकाश डाला है?

3. **निम्नलिखित पर लगभग 250 अपने शब्दों में टिपण्णी कीजिए :**

   क) संदर्भ और ग्रंथ सूची
   ख) शोध के निगमन और आगमन पद्धतियां

4. परिकल्पना क्या है? आप एक परिकल्पना का परीक्षण और सत्यापन कैसे करते हैं?

5. मानवजाति शास्त्र अनुसंधान समृद्ध हो रहा है फिर भी यह समस्याओं और दुविधाओं से घिरा हुआ है। क्या आप सहमत हैं? कारण बतायें।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) द्वंद्वात्मक भौतिकवाद
   ख) संघर्ष की स्थितियों के संबंध में कथा विश्लेषण दृष्टिकोण

7. क) सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में मूल्य निर्णय
   ख) गैर–नियंत्रित प्रतिभागी अवलोकन

8. क) साधन और साध्य
   ख) सिद्धांत परीक्षण की कठिनाइयाँ

9. क) साहित्य समीक्षा
   ख) प्रश्नावली

10. क) आंकड़ा प्रस्तुत करने की गुणात्मक और मात्रात्मक विधि
    (ख) शोध के द्वितीयक श्रोत

पाठ्यक्रमः गाँधी : मानव अधिकार : भारतीय परिप्रेक्ष्य (एम.जी.पी.ई –016)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–016
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–016/ए एस एस टी/टी एम ए/2021–22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. मानवाधिकारों की पश्चिमी और गैर–पश्चिमी अवधारणा का तुलनात्मक अध्ययन करें।

2. गांधी के प्रसिद्ध कथन को संक्षेप में समझाएं-"पृथ्वी हर आदमी की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन प्रदान करती है, लेकिन हर आदमी के लालच को नहीं।"

3. राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान विकसित मानवाधिकार-सम्बन्धी प्रेरणा के प्रमुख स्रोत क्या थे?

4. समाज के कमजोर वर्ग के रूप में किसे माना जाता है? उन्हें विशेष सुरक्षा की आवश्यकता क्यों है?

5. मानवाधिकारों के विमर्श में सार्वभौमवाद और सांस्कृतिक सापेक्षवाद के दावों को समेटने में किन कठिनाइयों का अनुभव होता है?

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) मानव अधिकारों के प्राकृतिक अधिकार परिप्रेक्ष्य
   ख) भारत में जाति उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष

7. क) राष्ट्रीय महिला आयोग
   ख) मानव अधिकारों की भारतीय परंपराओं को समृद्ध करने के लिए भक्ति–सूफी आंदोलन के योगदान

8. क) संस्कृतियों और भाषाओं के संरक्षण के अधिकार
   ख) गोपनीयता का अधिकार

9. क) भारत में बाल अधिकारों में प्रगति
   ख) उत्तर आधुनिक नारीवाद

10. क) दुनिया भर में मानवाधिकारों का प्रमुख उल्लंघन
    ख) मूलनिवासी समूहों के अधिकार